SN-20

REVIEW OF THE PERFORMANCE OF THE CENTRE FOR RAILWAY INFORMATION SYSTEMS(CRIS) BY THE MINISTRY OF RAILWAYS FOR THE YEAR 2014-15.

The Centre for Railway Information Systems (CRIS) was constituted by the Ministry of Railways on 01.07.1986 as an autonomous body for computerization activities on Indian Railways. CRIS handles a number of important projects in various areas of Railway Business.

One of the major projects being handled by CRIS is the Freight Operations Information System (FOIS). This project has been divided into two modules, the Rake Management System (RMS) and the Terminal Management System (TMS). RMS and TMS have been fully implemented. Reporting locations across the Railways are networked through the FOIS network. 99% of all RRs (Freight invoices) are generated through FOIS. Approximately 79% of all payments are in electronic form and are processed through E-payment Gateway. FOIS has also been integrated with other applications such as RBS (Rates Branch System) and COA (Control Office Application), and is interfaced with CONCOR through EDI (Electronic Data Interchange).

In Passenger Reservation System (PRS), Countrywide Network of Computerized Enhanced Reservation and Ticketing (CONCERT), based on the state-of-the-art client server technology, has been installed at all the PRS nodes providing facility for the passengers to book seats/berths on any train on IR from any location. PRS was running at more than 3300 locations with more than 11000 terminals and handling 3000 trains involving more than 1.6 million passenger transactions per day. PRS earned over Rs.3000 crore per month.

Unreserved Ticketing System (UTS) started as a pilot project at 23 stations in Delhi area of Northern Railway on 15th August 2002. Seeing the success of the system, UTS was extended to other locations and as on 31.3.2015, this system was working at more than 5800 stations across Indian Railways. Rs.1600 crore were being earned monthly from UTS by providing tickets to over 60 crore passengers per month.

Integrated Coach Management System (ICMS) has been developed to help in improving operational efficiency in utilizing passenger coaches and to monitor & analyze punctuality. This application is hosted on central server located in CRIS and accessed by remote locations via the FOIS network.

Parcel Management System (PMS) Phase-I developed by CRIS and has been rolled out to more than 80 stations of 4 corridors. Over 2.5 lakh PWBs are generated monthly resulting in revenue of over Rs.35 crore monthly.

The accounts of CRIS for the year 2014-15 have been audited by the office of the Comptroller and Auditor General. There are no major adverse comments.

(मनोज सिन्हा)
(MANOJ SINHA)
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
Minister of State in the Ministry of Railways

रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 के लिए रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के निष्पादन की समीक्षा

रेल मंत्रालय द्वारा स्वायत निकाय के रूप में रेल सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस) की स्थापना 01.07.1986 को भारतीय रेल पर कंप्यूटरीकरण गतिविधियों के लिए की गई थी। क्रिस रेल कारोबार के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत सी महत्वपूर्ण योजनाएं संभाल रहा है।

क्रिस द्वारा निष्पादित महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से माल यातायात परिचालन सूचना प्रणाली (फोयस) एक है। इस परियोजना को दो मॉड्यूलों अर्थात् रेक प्रबंधन प्रणाली (आरएमएस) और टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) में बांटा गया है। आरएमएस और टीएमएस को पूर्णतया कार्यान्वित कर दिया गया है। रेलवे की रिपोर्टिंग लोकेशनों को फोयस नेटवर्क के माध्यम से परस्पर जोड़ा जाता है। सभी आरआर का 99 प्रतिशत (माल भाड़ा चालान) फोयस नेटवर्क के माध्यम से जनरेट किया जाता है। लगभग सभी भुगतान का 79 प्रतिशत इलेक्ट्रानिक फॉर्म में किया जाता है और ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से किया जाता है। फोयस को अन्य अनुप्रयोगों जैसे आरबीएस (रेटस ब्रांच सिस्टम) और सीओए (कंट्रोल ऑफिस एप्लिकेशन) के साथ भी एकीकृत और ईडीआई (इलेक्ट्रानिक डाटा इंटरचेंज) के माध्यम से कानकोर के साथ इंटरफेस किया गया है।

यात्री आरक्षण प्रणाली में, सभी पीआरएस नोडों पर अत्याधुनिक क्लाईंट सर्वर तकनीक पर आधारित देशव्यापी कंप्यूटरीकृत संवर्धन आरक्षण तथा टिकटिंग नेटवर्क (सीओएनसीईआरटी) स्थापित किए गए हैं जिसमें यात्रियों के लिए भारतीय रेल पर किसी भी गाड़ी में किसी भी स्थान से सीट/बर्थ बुक कराने की सुविधा उपलब्ध है। 11000 से अधिक टर्मिनलों के साथ 3300 से अधिक स्थानों पर पीआरएस प्रणाली संचालित थी और प्रतिदिन 3000 से अधिक गाड़ियों का संचालन कर रही थी जिसमें 1.6 मिलियन से अधिक यात्रियों से लेन-देन शामिल था। पीआरएस ने प्रतिमाह 3000 करोड़ रु. से अधिक की आमदनी की है।

15 अगस्त 2002 को उत्तर रेलवे ने एक पायलट परियोजना के रूप में दिल्ली क्षेत्र के 23 स्टेशनों में अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) की शुरुआत की थी। इस प्रणाली की सफलता को देखते हुए, यूटीएस का अन्य स्थानों पर विस्तार किया गया और 31.03.2015 को पूरी भारतीय रेल पर 5800 स्टेशनों पर यूटीएस काम कर रहा था। प्रति माह 60 करोड़ यात्रियों को टिकट प्रदान कर यूटीएस से 1600 करोड़ रु. की मासिक आमदनी अर्जित की जा रही थी।

यात्री सवारी डिब्बों के उपयोग में, परिचालन कुशलता में सुधार तथा समयपालन के विश्लेषण और निगरानी में मदद करने के लिए एकीकृत सवारी डिब्बा प्रबंधन प्रणाली (आईसीएमएस) का विकास किया गया है। आईसीएमएस अनुप्रयोग को क्रिस में स्थित सेन्ट्रल सर्वर में लगाया गया है और इसे फोयस नेटवर्क के माध्यम से दूरस्थ स्थानों तक पहुंचाया गया है।

पार्सल प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) चरण-I को क्रिस द्वारा विकसित किया गया है और 4 गलियारों के 80 से अधिक स्टेशनों पर इसे शुरू किया गया है। 2.5 लाख से अधिक पीडब्लयूबी मासिक रूप से सृजित किए जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप महीने में 35 करोड़ रु. से अधिक का राजस्व प्राप्त हो रहा है।

वर्ष 2014-15 के लिए क्रिस के लेखों की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय द्वारा जांच की गई है। इसमें कोई प्रमुख प्रतिकूल टिप्पणियां नहीं हैं।

Statement giving reasons for delay in laying of the Annual Report and Audited Accounts of the Centre for Railway Information Systems for the year 2014-15.

The Annual Accounts and the Receipts and Payments Account of CRIS for the year 2014-15 were closed and made available to the Principal Director of Audit, Northern Railway on 27.05.2015. Audit of Accounts commenced on 15.06.2015.and completed on 14.08.2015. Draft Audit Reports were issued to CRIS on 06.10.2015. Replies were sent to Audit on 09.10.2015. The Audit Certificate dated 03.12.2015 was received on 04.12.2015. The Audited Accounts along with the Annual Report for the year 2014-15 was approved by the Executive Committee through circulation of papers on 16.12.2015 and by the Governing Council of CRIS through circulation of papers on 06.01.2016. Accordingly, the Annual Report and Audited Accounts for the year 2014-15 is being placed on the Table of Both Houses of Parliament during the ensuing Session.

अधिप्रमाणित
AUTHENTICATED

(मनोज सिन्हा)
(MANOJ SINHA)
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
Minister of State in the Ministry of Railways

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र की वर्ष 2014-15 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे के प्रस्तुतीकरण में विलम्ब के कारणों का विवरण

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र के वर्ष 2014-15 के वार्षिक लेखे और प्राप्ति एवं भुगतान लेखे बन्द कर के प्रधान निदेशक/लेखा-परीक्षा, उत्तर रेलवे को 27.05.2015 को उप्लब्ध करा दिये गये थे । 15.06.2015 को लेखा परीक्षा शुरू की गयी और 14.08.2015 को पूरी हो गयी । लेखा-परीक्षा टिप्पणियां क्रिस को 06.10.2015 को जारी की गयी । 09.10.2015 को लेखा-परीक्षा को उत्तर भेज दिये गये । दिनांक 03.12.2015 का लेखा-परीक्षा प्रमाण-पत्र 04.12.2015 को प्राप्त हुआ था । वर्ष 2014-15 की वार्षिक रिपोर्ट के साथ-साथ लेखा-परीक्षित लेखे कार्यकारिणी समिती द्वारा दस्तवेजों के संचलन के माध्यम से 16.12.2015 को अनुमोदित किये गये। क्रिस की गवर्निंग कांउसिल द्वारा दस्तवेजों के संचलन के माध्यम से 06.01.2016 को अनुमोदित किये गये ।

तदनुसार, वर्ष 2016 के आगामी बजट सत्र के दौरान संसद के दोंनों सदनों के पट्ल पर वर्ष 2014-15 से संबंधित क्रिस की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे प्रस्तुत किये जा रहे हैं ।

****